



**CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN  
DEPARTMENT OF ECONOMICS  
International Conference of Economics  
on**

**“Growth, Resilience and Sustainability in an  
Uncertain World”**

**In association with Indian Council of Social  
Science Research**



**April 11 and 12, 2023**



# Inaugural Session









# Conference Abstract Book Release





# Felicitation of the Guests by Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Anand Bhalerao Ji





# Felicitation of the Guests

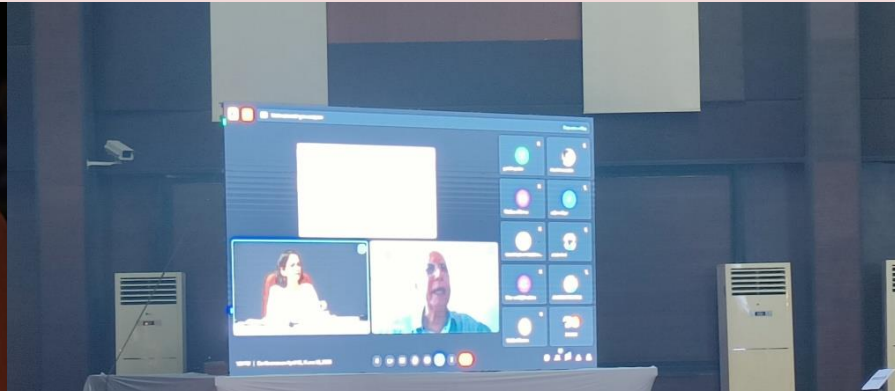




# Address by Chief Guest Prof. N.R. Bhanumurthy and Guest of Honor Prof. Nicole Bissessar

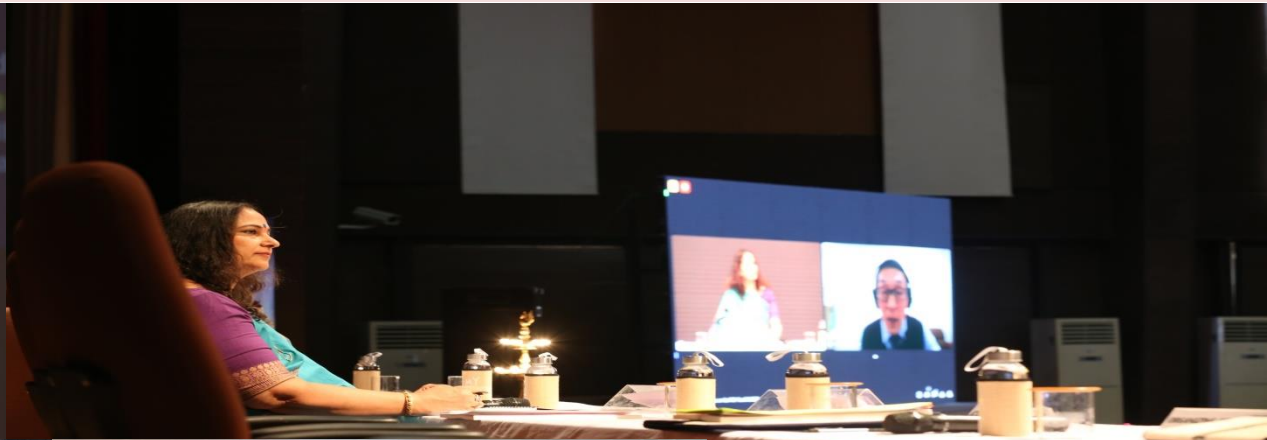


# Chief Speaker Session: Prof. Mukul G Asher, Session Chair by Prof. Manju Singh





# Chief Speaker Session: Prof. Charles Yuji Horioka, Session Chair by Prof. Alpina Kateja



# Technical Session: Session Chair by Dr. Sanja Samirana Pattnayak, IIM Sirmaur





# Keynote Session By Prof. Amaresh Samantaraya , Session Chair by Prof. Uma Shankar Mishra





# Keynote Session: Prof. Tapas Mishra, Session Chair by Prof. Jitendra Kumar

Relative efficiency gain (loss)

$$\hat{D} = y^H x - y^L x \quad (1)$$

Case 1)  $\theta < \bar{F}_D$ , viz., the minimum sunk governance cost to be paid by the acquirer is less than the effective uncertain upfront fixed cost that the acquirer needs to pay for host country's ESG risk.

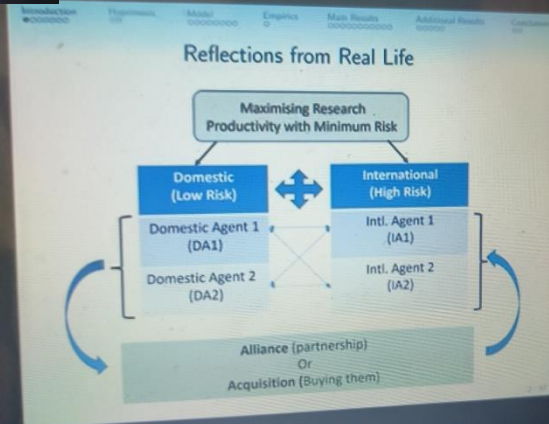
$$D = F \left[ \theta (s-1) - \bar{F}_D [(n+\beta)-1] \right]$$

Hence, we come up with the mean of  $D$

$$\mu_D = F \left[ \theta (s-1) - \mu_{\bar{F}_D} [(n+\beta)-1] \right] \quad (4)$$

Similarly, the variance of  $D$  turns out to be

$$\sigma_D^2 = F^2 \sigma_{\bar{F}_D}^2 [(n+\beta)-1]^2 \quad (5)$$





# Technical Session Chaired by Dr. Sanjay Kumar Garg





# Technical Session Chaired by Dr. Ghanshyam Pandey, SRM University, Andhra Pradesh





# Technical Sessions in Hybrid Mode Chaired by Dr. Aprarajita Biswal, Odisha





# Technical Session Chaired by Dr. Ranjan Aneja, Central University of Haryana



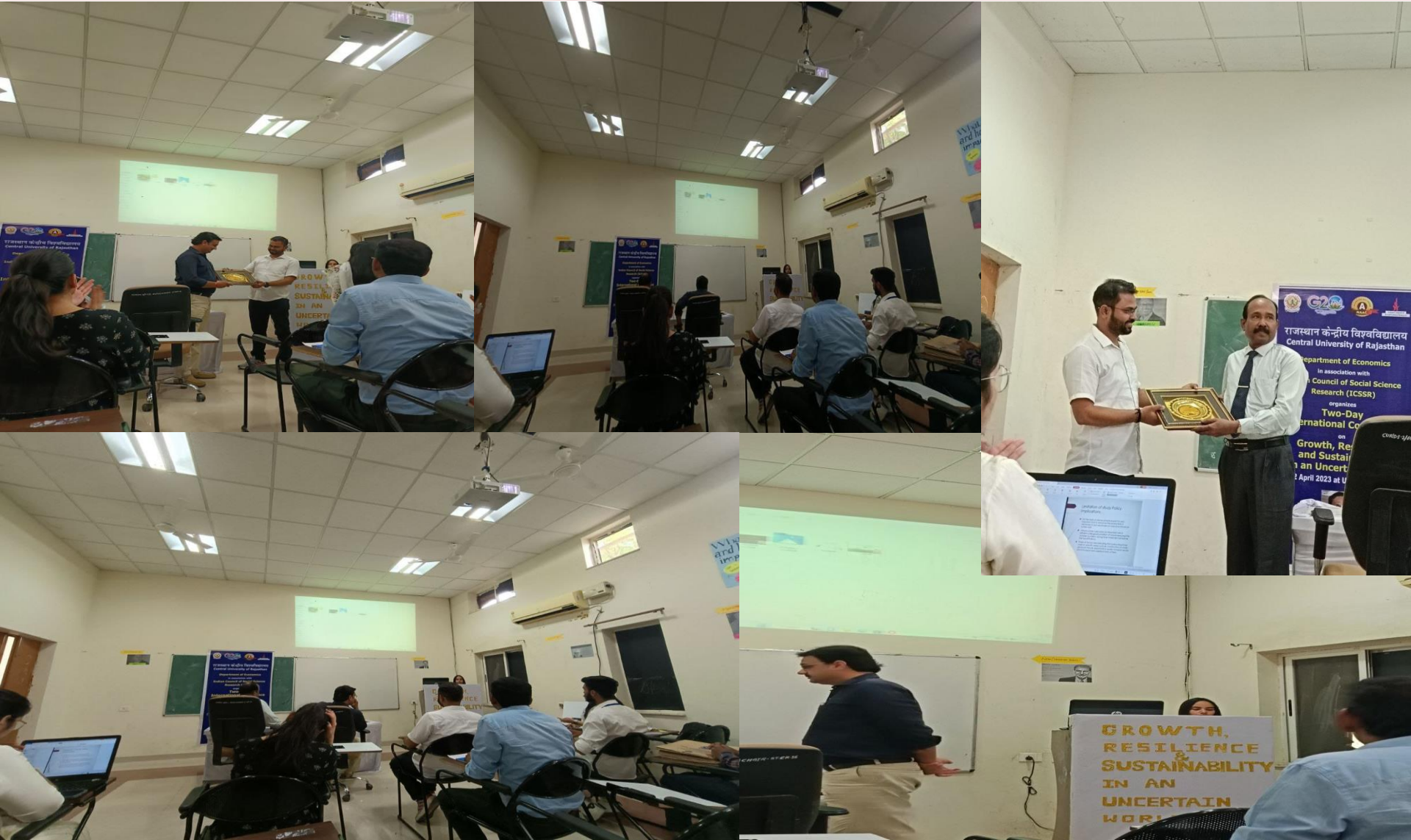


# Technical Session Chaired by Dr. Subhasis Bhadra and Dr. Pramod Kamble



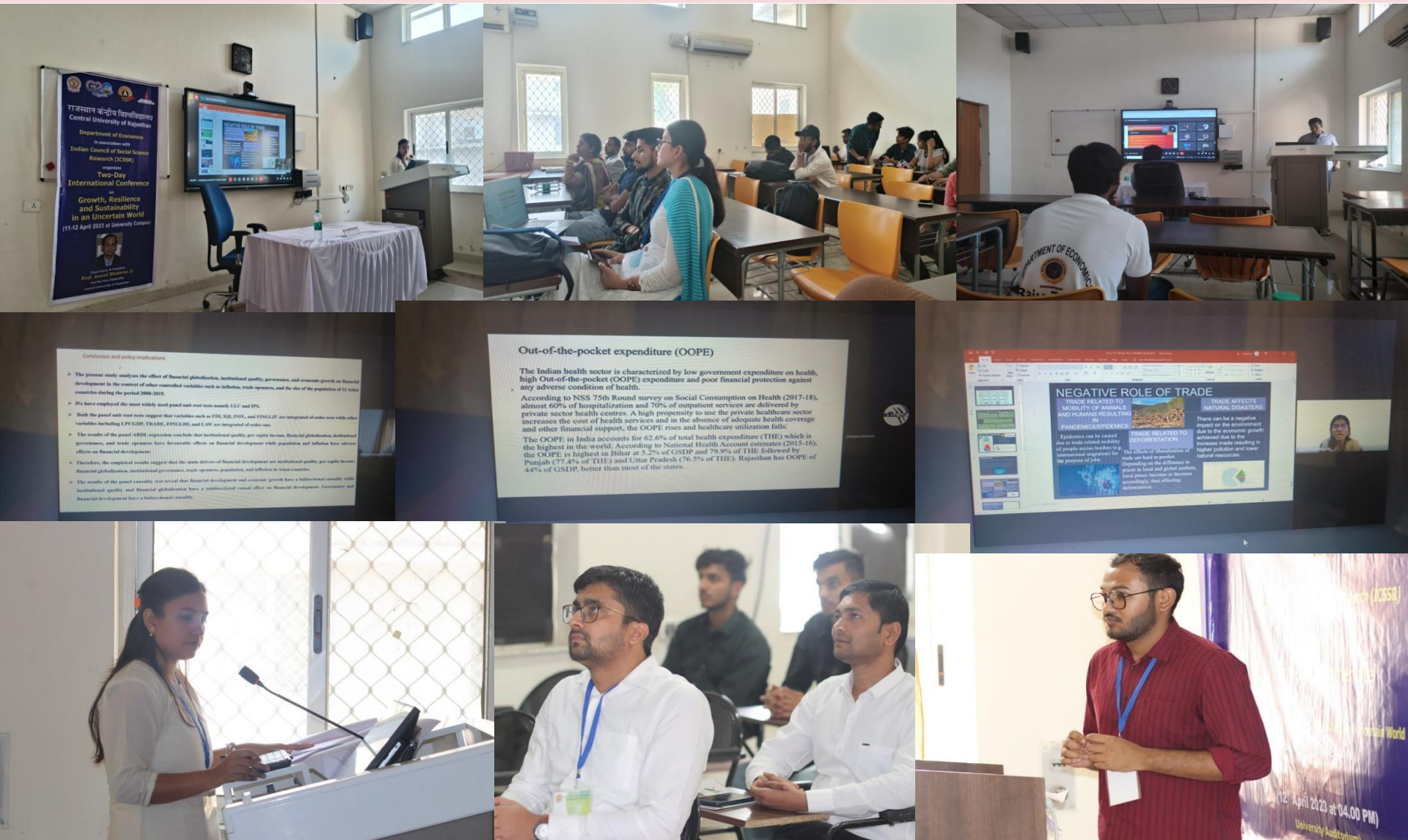


# Technical Session Chaired by Dr. S. Kandasamy and Dr. Kumar Sambhav Pareek





# Technical Session in Hybrid Mode





# Technical Session Chaired by Prof. Amitabh Srivastava






# Valedictory Session






# Valedictory Address by Prof. Dharmendra Singh, Muscat, Oman





## ESG Scores



An ESG score is an objective measurement or evaluation of a given company, or fund's performance with respect to Environmental, Social, and Governance (ESG) issues.

ESG scoring systems tend to be either industry-specific or industry-agnostic.

Industry-specific scoring systems assess issues that have been deemed material to the industry at large.

Industry-agnostic ESG scores tend to incorporate widely accepted factors that are meaningful across industries – like climate change, diversity, equity and inclusion (DEI), and human rights.

Companies are being required (by stock markets and government bodies) to provide ESG disclosure with their quarterly and annual reporting.

To report clear and relevant metrics in a standardized format, a reporting framework is required.

Some common frameworks are the Global Reporting Initiative (GRI), the Principles for Responsible Investment (PRI), and the Sustainability Accounting Standards Board (SASB).

15.03, April 2024





# Feedback Sharing by Participants





# All Delegates, Participants and Student Volunteers









# Participation of SHGs in International Conference: Hon'ble Chief Guest Visiting the Stalls





# Participation of SHGs in International Conference





# Media Coverage



## केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

सौ से अधिक  
अंतरराष्ट्रीय और  
राष्ट्रीय प्रतिभागी  
करेंगे विचार मंथन



मदनगज - किशनगढ़ @  
पत्रिका. बांदरसिंदरी स्थित  
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय  
के अर्थशास्त्र विभाग और भारतीय  
सामाजिक विज्ञान अनुसंधान  
परिषद के संयुक्त तत्वावधान में  
ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड  
सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन  
वर्ल्ड विषय पर दो दिवसीय  
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मंगलवार से  
शुरू होगा। उद्घाटन समारोह  
विश्वविद्यालय सभागार में प्रातः  
11.30 से आयोजित किया जाएगा।

प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति कुलपति  
बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ  
इकोनॉमिक्स बेंगलुरु एवं  
मैक्रोइकोनॉमिक्स, व्यापार और  
आजीविका पर जी-20/टी20  
टास्क फोर्स के अध्यक्ष इस सम्मेलन के  
उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि  
होंगे। प्रो. मुकुल जी. अशर नेशनल  
यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर,  
सलाहकार गुजरात सरकार,  
डबल्यूटीओ, डबल्यूएचओ, आईएम  
एफ और प्रो. चार्ल्स यूजी होरीओका,  
कोबे विश्वविद्यालय जापान,  
फेल्डस्टीन होरीओका पजल के

पायनियर इस कार्यक्रम में मुख्य  
वक्ता के रूप में शामिल होंगे। प्रो.  
तपस मिश्रा, साउथैम्प्टन बिजनेस  
स्कूल यूनाइटेड किंगडम एवं प्रो.  
अमरेश सामंताराय, पांडिचेरी  
विश्वविद्यालय से इस संगोष्ठी के  
कीनोट स्पीकर होंगे।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय  
के कुलपति प्रो.आनंद भालेराव के  
नेतृत्व में यह सम्मेलन हो रहा है।  
प्रोफेसर धर्मेन्द्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज  
ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट  
ओमान इस संगोष्ठी के समापन  
समारोह के मुख्य अतिथि और  
प्रो.अमरेश सामंताराय विशिष्ट अतिथि  
होंगे। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो.  
जगदीश उल्लास जाधव और  
सम्मेलन की संयोजक व अर्थशास्त्र  
विभाग से डॉ. हेमलता मंगलानी ने  
बताया कि 100 से अधिक  
अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागियों  
ने इस सम्मेलन के लिए अपनी  
प्रतिभागिता दर्ज कराई है।

## ‘ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड’ पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 12 अप्रैल को

■ सता एक्सप्रेस

किशनगढ़ / लक्ष्मण दीया  
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय  
बांदरसिंदरी के अर्थशास्त्र विभाग  
और भारतीय सामाजिक विज्ञान  
अनुसंधान परिषद के संयुक्त  
तत्वावधान में ग्रोथ, रेजिलिएंस  
एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन  
अनसर्टेन वर्ल्ड पर दो दिवसीय  
अंतराष्ट्रीय सम्मेलन 11-12  
अप्रैल 2023 को आयोजित  
किया जा रहा है। प्रो. एन.आर.  
भानुमूर्ति, कुलपति बी.आर.  
अम्बेडकर स्कूल ऑफ  
इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु तथा  
मैक्रोइकोनॉमिक्स, व्यापार और  
आजीविका पर जी-20/टी20  
टास्क फोर्स के अध्यक्ष इस  
सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के  
मुख्य अतिथि होंगे। प्रो. मुकुल  
जी. अशर, नेशनल यूनिवर्सिटी  
ऑफ सिंगापुर, सलाहकार  
गुजरात सरकार, डबल्यू टी ओ,  
डबल्यू ऐछओ, आईएम एफ  
और प्रोफेसर चार्ल्स यूजी  
होरीओका, कोबे विश्वविद्यालय,  
जापान, फेल्डस्टीन होरीओका  
पजल के पायनियर इस कार्यक्रम  
में मुख्य वक्ता के रूप में भाग  
लेंगे। प्रोफेसर तपस मिश्रा,  
साउथैम्प्टन बिजनेस स्कूल  
यूनाइटेड किंगडम तथा प्रो  
अमरेश सामंताराय, पांडिचेरी  
विश्वविद्यालय से इस संगोष्ठी के  
कीनोट स्पीकर होंगे। राजस्थान  
केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी



के कुलपति प्रो आनंद भालेराव  
ने कहा कि अंतराष्ट्रीय सम्मेलन  
की मेजबानी करते हुए हमें खुशी  
हो रही है। आज के तेजी से  
बदलते और अप्रत्याशित वैश्विक  
परिदृश्य में, यह महत्वपूर्ण है कि  
हम उन नवीन समाधानों पर  
चर्चा करने और उनका पता  
लगाने के लिए एक साथ आएँ  
जो अप्रत्याशित चुनौतियों के  
लिए लचीलेपन का निर्माण करते  
हुए सतत और समावेशी विकास  
को बढ़ावा देते हैं। सम्मेलन  
शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं,  
व्यापारिक नेताओं और  
व्यवसायियों को अपने ज्ञान,  
विचारों और अनुभवों को साझा  
करने के लिए एक मंच प्रदान  
करेगा।

प्रो. धर्मेन्द्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज  
ऑफ बिजनेस एंड साइंस,  
मस्कट, ओमान इस संगोष्ठी के  
समापन समारोह के मुख्य  
अतिथि और प्रोफ अमरेश  
सामंताराय विशिष्ट अतिथि होंगे।  
अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष  
प्रो जगदीश उल्लास जाधव और  
सम्मेलन की संयोजक व  
अर्थशास्त्र विभाग से डॉ हेमलता  
मंगलानी ने बताया कि 100 से  
अधिक अंतराष्ट्रीय और राष्ट्रीय  
प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन के  
लिए अपनी प्रतिभागिता दर्ज की  
है। अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का  
उद्घाटन समारोह 11 अप्रैल  
2023 को विश्वविद्यालय  
सभागार में प्रातः 11:30 से  
आयोजित किया जायेगा।



जयपुर, गुरुवार, 13 अप्रैल, 2023

**राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

(राजस्थान स्टेटमेन्ट)

**जयपुर।** अन्य उगत अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत जो मुद्रास्फीति की स्थिति को स्थिर कर रही है, भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते पर है। एफएबी24 तक, जोड़ीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति वर्ष वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है। भारत को बेहतर विकास-मुद्रास्फीति संतुलन और स्थिर वित्तीय क्षेत्र के साथ पेशाना प्रबंधित अर्थव्यवस्था में उज्जल स्थापने के रूप में वृद्धि प्रक्रिया गया है, यह



सत्र के दौरान सभी अतिथियों एवं मंच द्वारा कार्यक्रम एक्टिवेट्ड वुक (सार पुस्तक) का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य कांफ़े प्र. मुकुल जी. अग्र, नेपालन यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगपुर, गुजरात सरकार के सलाहकार, डबल्यू टी ओ, डबल्यू एच ओ, आई एफ एफ के एक अतिथिद्वारा युन्यायित अन्तराष्ट्र के दौरान एक व्यक्ति-आधारित विकास उपक्रम करने को रणनीति पर अपने विचार रखे। उन्होंने उल्लेख किया कि व्यापक राष्ट्रीय स्तर के बारे में एक तीव्र जागरूकता को प्रौद्योगिकी के महत्व, धर्म गहरी ताकत के निर्माण और वैश्विक पर्यावरण के लिए तैयार करने की आवश्यकता है। अमुक काल के दौरान भारत के उद्यम में योगदान देने के लिए शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थाओं की एक विशेष जिम्मेदारी है। प्रो. चार्ल्स वुडी जेनरिओका फेल्लेट्टीन-होरिओका फेल्ले के अग्रणी हैं और उन्होंने वुडी फेल्लेट्टीन-होरिओका फाईंडिंग रिपयल्टी ए पजल, फेल्लेट्टीन-होरिओका फेल्ले 43 साल बाद नए मुख् वका के रूप में अपना व्यासासन दिया। उन्होंने जो देस का देश का भले हो वैश्विक विज्ञान बाजार एकीकृत प्रतीत होते हैं, बचत और निवेश के सार सभी देशों के बीच सहजहृदय हैं क्योंकि विज्ञान बाजार की विज्ञान पुंजी के शुद्ध हस्तांतरण को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सत्र को अध्यक्षता प्रो. मंजू सिंह एमानुअलटी, जगपुर और प्रो. अलनन कज्जो राजस्थान विश्वविद्यालय, जगपुर ने की। दोनों सत्र अत्यधिक संचालित करने के। दूसरे दिन को शुरुआत प्रो अमरेश समतारया, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के मुख्य भाषण से हुई जिन्होंने भारत में सतत विकास के साथ लंबाई निर्माण बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका का आकलन विषय पर अपनी बात कही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास सिद्धान्त लंबे समय तक आर्थिक विकास को बनाए रखने में बचत की भूमिका को रखा कि नहीं है। बैंक बचत को जुड़ने और उपादाद निवेश में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात प्रो. तापर साठेय्यन विज्ञान स्कूल, यूनाइटेड किंगडम ने समारंभ खेल के माध्यम से पुनः ईमर्जिंग स्थिरता हिस्सेदारी विषय पर अपना कोर्सेस अर्जुन दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा और प्रोफेसर जितेंद्र कुपार, रायस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने की। सम्मान सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेश सिंह मॉर्डन कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड सॉसल साइंस, अमनन ने मुख्य अतिथि के रूप में की। प्रो धर्मेश सिंह ने सतत वित्त और इसके रक्षण और प्राणित पर अपने विचार रखे। उन्होंने साक्षात्कार कि कोविड-19 जैसी संकट के

स्थिति ने अर्धव्यवस्थाओं और समाजों  
विजितलोकों में तेजी देने में मदद की। ३  
इस प्रकार व्यापार वितरकों की अनुमति  
पूरी जायदाद उत्पन्न जायदाद समस्त आय  
अर्धव्यवस्था विभाग की डॉ हेमलता मंगला  
समस्त आय सौजन्य व डॉ सुरेश भाग, आयो  
सचिव ने बताया कि लुगणा १५० लाख के  
ने समायोजन में भाग लिया। समस्त आय के  
तकनीकी सौम्य में १०१ पर प्रस्तुत किए जा  
दो विद्यार्थी समस्त के दौरान, विद्यार्थी  
३ जोडिध क्षमता, आर्थिक विकास  
लचीलापन, जलवायु, भोजन और ऊर्जा, ह  
वित्त, स्वास्थ्य प्रणाली स्थिरता और लचीला  
महत्वपूर्ण अवसराना, लोग, शिक्षा  
संगठनकारी लचीलापन, कृषि स्थिरता और  
चौकी की गई। आर्थिक विकास, आर्थिक

लघुचोलेपन में व्यापार को भूमिका, कृषि शिक्षा और आर्थिक विकास, प्रवासी, नये कारों और लघुचालान; और पूर्व और प्रमुख श्रद्धास्त्र-महामारों में समुदायिक लघुचालान, संस्था के कामकाज और शासन व्यवस्था, भारत लघुचोलेपन और समावेशन में सुधार के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना और जीवन लैंगिंग दृष्टिकोण, लघुचालान, और स्वास्थ्य सेवा का विकास, और वित्त और जोरि क्षमता आदि विषयों पर विचार करने से चर्चा हो प्रो. रंजन अनेजा, हरियाणा केंद्र विश्वविद्यालय, प्रो. अपराजिता विम्वाल, रंज देवी महिला विश्वविद्यालय, ओरिशा, डॉ. समीराना पटनायक, डॉ. अलका कौ, आईआईएम सिमोरी, डॉ. धन्यमन पा एएसएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, स्वाति जगधर, लोंगकार, एवं मारिस् स्वास्थ्य में समाजिक कार्यकर्ता प्रो. एसए अम्बेडकर, डॉ. सुभाषिस भद्र, डॉ. प्रम कावले, डॉ. कुमार संभव पाठक, डॉ. रं. कंदमारी, रायचतन विश्व विश्वविद्यालय डॉ. रंजना गौरी ने सम्मेलन के तकनीकी से स की अध्यक्षता की।



# किशनगढ़ नवज्योति

रूपनगद » अंशई » मुहामी » वांदयिंदरी » तिलोनिया » हयमाद्र » दयुक

## मुद्रास्फीति स्थिर, वसूली के रास्ते पर भारतीय अर्थव्यवस्था

सीयूआर में दो दिवसीय  
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन  
विषय विशेषज्ञों ने  
रखे विचार

न्यूज लाईन/आजोति,  
सदर संपादक विद्यानन्द

राजस्थान केंद्रीय विमानविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्त्वधान में विकास, लचीलापन और एक अर्थव्यवस्था में स्थिरता विमल पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम एकदम से शुरू का विमोचन भी किया गया। अर्थशास्त्र में देख-रेख के तत्त्व विषयों में विचार-विमर्श।

मृदा तथा वायु अन्वेषक  
रुक्मिणी देवी प्रसाद कोटवाल और  
जी.एन.टी. इन्स्टी. टास्क फोर्स के  
अध्यक्ष कुमारी पी.एन.आर. भाग्यमूर्ति  
ने काश कि अग्र-उन्नत अर्थव्यवस्था के  
के विषय पर मध्यमस्तर की स्थिति को  
स्थिर करने में भारतीय अर्थव्यवस्था  
जुलूस के शक्य है। एक वर्ष 24  
तक, बीसीपी विकास दर 5.5% तक  
का अनुमान है। मध्यमस्तर की पूर्ण  
के लिए 6.5% से नीचे जाने का अनुमान  
है। भारत को केवल विकास-निर्माण  
मैदान और मध्यम-मध्यम श्रेणी के  
साथ पोषण वैज्ञानिक अर्थव्यवस्था  
में उन्नत स्थान के रूप में प्रतिष्ठित  
होना है। पी.एच.डी. ने अर्थव्यवस्था



विश्वनाथद्वीप। संगमरमर अतिथि व प्रोजेक्टवर पर प्रदर्शनी देखते हुए तब अतिथि को सम्मानित करते कुलपति

वैदिक पांतिस्थायियों में भारत पर  
अर्धज्वरमा को नैतिक करने का  
थात की। राजस्थान को दोहरा  
स्विकृत्यलय को कृतपति प्री आन  
तांतांग में कहा कि विष्णुविष्णु  
को आंतराष्ट्रीय सम्मेलन को मंत्रान  
करने में खुशी जगाई। उद्धृत कर  
की सम्मानित अविष्णु प्रेक्षक निकल  
विशेष, लन्दन में टैम्पल पर बुनबन  
गुप्त में विश्वास, लक्ष्मीपति और  
स्मिता को सदृश में थात की वार्ता  
आर्थिक विभात पर अपने विचार रखे

समयान्त के पहले दिन मुख्य वक्ता प्रो. प्रकृत सो. अन्ना, नेतृत्व चुनौतियाँ ऑफ़ सिंगापुर, एडमरा सक्कल के समन्वयक, एडमरा ओ. डम्लरुवओ आरम्भक ने एक अतिथि वक्ता के अन्तर्गत के दौरान एक व्यापक-आर्थिक विकास लक्ष्य को के रूप में पर अनेक विचार रहे। उन्होंने कहा कि व्यापक राष्ट्रीय शक्ति के बारे में एक नैतिक जगह को प्रेरितियों के महत्त्व

[illegible][illegible][illegible][illegible]

## इन मुद्दों पर मंथन

ये दिग्गजों सम्मेलन के दौरान, गिर और जेफ्रिम धमता, आर्थिक और कर्ज, हरित वित्त, स्वास्थ्य प्रणाली स्थिरता और लचीलापन, संरचनात्मक लचीलापन, कृषि स्थिरता और पर चर्चा को यहाँ आर्थिक भूमिका, कृषि स्थिरता और आर्थिक विकास, प्रज्ञापी, मंच कार्य और १५ फ़रवरी में सामुदायिक लचीलापन, संस्थानों के कामकाज और यथावस्था में बुधवार के लिए दिग्विजयल जनकनी का उपयोग करना और स्वास्थ्य सेवा कायदा, और वित्त और जेफ्रिम धमता आदि विषयों पर

**इन्होंने लिया भाग**  
स्मेल्टन में प्रो. रंजन अमेज, हरियाणा के क्षेत्रीय विधिबिद्यालय, विधिबिद्यालय, ओडिशा डॉ. संतो मंगलना पटनाकर, डॉ. अलका चतुर्गुप्त, गुजरात विधिबिद्यालय, ओडिशा प्रेम, डॉ. स्वाति जयधर, लखनऊ, ए. प्रो. एन.ए. अम्बेडकर, डॉ. सुधीरस भट्ट, डॉ. प्रमोद कालवे, डॉ. रामनारायण के.डी. विधिबिद्यालय के डॉ. रंजन वर्मा ने भाग लिया। इसमें व. प्रमोद सिंह नेकर किताब पढ़ा।

सुविधा 30 सागर की भंगमारी नैक 12 14 ओर के सागर में



# Media Coverage

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी में 'विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

■ सता एक्सप्रेस



बालद्विंदी/ लक्ष्मण दीया। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए प्रो. एनआर भानुमति, कुलपति, बीआर अम्बेडकर स्मृत ज्ञानोत्तमिन्स, बंगलुरु और जे-20/ए20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष ने कहा कि अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत, जो मुद्रास्फीति को स्थिती को स्थिर कर रही है, भारतीय अर्थव्यवस्था वस्तु की रास्ते पर है। FY24 तक, GDP विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति पूरे वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है। भारत को बेहतर विकास-मुद्रास्फीति संतुलन और स्थिर वित्तीय क्षेत्र के साथ परेशान बौद्धिक अर्थव्यवस्था में 'उज्ज्वल स्थान' के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अनंद भालराय, ने उद्घाटन किया कि राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने में खुशी हुई और मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति

मिर्जापुर, व्यापक जगत के नेताओं और विद्वानों को अपने ज्ञान, विचारों और अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा। विश्वस, लघुचलान और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 11-12 अप्रैल 2023 को आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल बिसेसर, सदन न्यू हैम्पशायर यूनिवर्सिटी, यूएस ने विकास, लघुचलान और स्थिरता के संबंध में भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे। उद्घाटन सत्र के दौरान सभी अतिथियों एवं मंच द्वारा कोफेस एम्प्रेडरशिप

(सार पुरस्क) का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य वक्ता प्रो. मुकुल जो. अशर, नेपाली यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगपुर, मुंबईत सरकार के सलाहकार डब्ल्यू टी ओ, डब्ल्यू एच ओ, आई एन एच के एक एक अर्निबल दुनिया में अमृतकाल के दौरान एक व्यापक-आधुनिक विकास ढांचे बनाने की रणनीति पर अपने विचार रखे। उन्होंने जोखिम किया कि व्यापक राष्ट्रीय रणनीति के बारे में एक तीव्र जागरूकता को प्रोत्साहित करने में महत्व, घर में गरीबता के निर्माण और वैश्विक एकीकरण के लिए तैयार करने की आवश्यकता है। अमृत काल के दौरान भारत के डेड में योगदान देने के लिए विश्व बैंक और अनुसंधान संस्थानों की एक विशेष निम्नोद्दी है।

वैकिंग क्षेत्र की भूमिका का आकलन विषय पर अपनी बात कहें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास सिद्धांत लंबे समय तक आर्थिक विकास को बनाए रखने में बचत की भूमिका को रेखांकित करते हैं। लंबे बचत की मृदाएं और उसे उत्पादक निवेश में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात प्रो. तातस साउथेम्युन विज्ञान संस्कूल, यूनाइटेड किंगडम ने सामरिक खेल के माध्यम से पुनः इंगेजिंग विश्वता हिस्सेदारी विषय पर अपने कौन्सिल अग्रिम दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा और प्रोफेसर जितेंद्र कुमार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने की। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेन्द्र सिंह, मोहन कॉलेज ऑफ विज्ञान एंड साइंस, समुद्र, अमाल ने मुख्य अतिथि के रूप में की। प्रो धर्मेन्द्र सिंह ने सतत वित्त और इसके रहस्य और प्रगति पर अपने विचार रखे। उन्होंने साझा किया कि कोविड-19 जैसी संकट की स्थिति ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के डिजिटलीकरण में तेजी लाने में मदद की और इस प्रकार व्यापार निरस्तता की अनुमति दी।



कौी सरसङ्ग विहार करते हुए आचार्य शिवके सामने।

क पाण्डे विद्या विद्यादा से विहार कर सुखा साधन की सीमा में संगन प्रवेश किया आचार्य के सरसङ्ग संगन प्रवेश हो पर जैन समाज के लोगों ने कान्से में

सन्त शास्त्रा में पाहुये।  
 वहाँ पर समाज के लोग दर्शन  
 व आर्यावाद के लिये उमड़ पाहुये।  
 ब्रह्मजुओं ने आचार्य विवेक सागर  
 को भीकल भेंट कर व  
 पादप्रक्षालन कर उनका आर्यावाद  
 लिया। जैन सन्त शास्त्रा में  
 अधोजाति धर्मसभा में आचार्य ने  
 कहा कि मनुष्य जन्म बहुत दुर्लभ

रहकर स्वाभाविक रूप से हीन  
का नाश व जान की वृद्धि होती है  
और मौस का मार्ग प्रशस्त होता है।  
उन्होंने कहा कि मानव जीवन  
पुण्य कर्म करने से मिलता है।  
इसलिए मानव जीवन का  
उत्तुपयोग नहीं कर मानव कल्याण व  
सुख में करना चाहिए। इसमें  
प्रविष्ट फल स्वतः ही प्राप्त होता है।

संसार का प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि अहंकार परमेश्वर धर्म के साथ सावित्री का मूल मंत्र है। जैन सम्प्रदाय के महापुरुषों ने अहिंसा, सत्य, करुणा, प्रेम, साधना, यश दया के चरितों जन्मग्रन्थ को संस्कारित किया है। धर्मसंस्था में अज्ञान उन्मेष रहे। अज्ञान प्रियविक्रम सागर ने संसंध साधन को, साधारण से विहार कर मुलगायत्रि में मंगल प्रवेश किया।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन  
भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली  
के रास्ते पर- प्रो. भानुमूर्ति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

मदनगंज-किशनगढ़ बी.आ.  
अम्बेडकर स्कूल ऑफ  
इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु के कुलपति  
एवं जी-20/टी20 टास्क फोर्स के  
अध्यक्ष प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति  
ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था  
वस्तु की रास्ते पर है। एकदम 24  
तक, जीडीपी विकास दर 6.5  
प्रतिशत रहने का अनुमान है।  
मुद्रास्फीति पूरे वर्ष के लिए 6  
प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है।  
प्रोफेसर भानुमूर्ति दो दिवसीय



विजयनगर के बादरसिंदरी स्थित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में यो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करती वरन् एवं मंचासीन अधिधि।

दूसरे दिन की शुरुआत प्रोफेसर अमरेश सामंतराय पांडिचे विश्वविद्यालय के मुख्य बाणघाई हुई। इसके बाद प्रोफेसर ताप साउथेम्प्टन विजनेस स्कूल यूनाइटेड किंगडम ने सामरिक खेल के माध्यम से पुनः इमेजिंग स्थिरता हिस्सेदार विषय पर अपना कीर्तिपत्र अर्पित किया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रोफेसर उमाशंकर मिश्र और प्रोफेसर जितेंद्र कुमार ने की।

गोत्राध्यक्ष सम्मेलन के उद्घाटन  
सत्र में राजस्थान केंद्रीय विधि  
में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को  
प्रबोधित कर रहे थे। राजस्थान  
केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलायुक्त  
प्रोफेसर आनंद भालराव के नेतृत्व  
में वह सम्मेलन हुआ। उन्होंने कहा कि  
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को  
राष्ट्रपतीय सम्मेलन की मेजबानी  
करने में खुशी हुई और विषयवास  
के यह सम्मेलन शोकपूर्वकी, नीति  
परिमर्शों, व्याख्यान जगत के नेताओं  
पर चिकित्सकों को अपने ज्ञान,  
साधनों और अनुभवों को साझा  
करने में मदद करेंगे।



अभिषिक्त की स्मृति किन्तु वैकार सम्भावित करते कुलपति प्रोफेसर आनन्द भारलेखन।  
भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे। प्रोफेसर चालर्स वर्ज  
उदघाटन सत्र के दौरान सभी  
होरी-गोका फैलवट्टीन होरी-गोका

प्रोफेसर धर्मेश सिंह मांडन कोले  
ऑफ डिजाइनिंग एंड चार्टिंग, मुंबई  
में हैं। वे यूएन अर्थिक्स के  
कॉमिटी ऑफ एक्सपर्ट्स में सचिव  
हैं। प्रोफेसर धर्मेश सिंह ने सचिव  
और इन्वॉक रुथान और ग्रामिंस  
अर्नेट डिस्कवरी रखी। प्रोफेसर जादवी  
दत्तनाथ जाधव सम्मेलन अर्थशास्त्र  
अर्थशास्त्र विभाग की हैमेल  
मंगलानी, सम्मेलन संयोजक व इ  
सुरुष पात्रा आगेजोन सचिव  
बताया कि लगभग 150 प्रतिनिधि  
ने सम्मेलन में भाग लिया।

प्रोफेसर रंजन अजोरा हरियाण  
केन्द्रिय विश्वविद्यालय, प्रोफेसर  
अपराजिता विश्वास, रामदेव  
महिला विश्वविद्यालय और

ने दिवसीय अंतरराष्ट्रीय  
मेलन का राजस्थान केंद्रीय  
विद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग  
भारतीय सामाजिक विज्ञान  
स्थान परिसर के संयुक्त  
वर्धमान में 11 एवं 12 अप्रैल को  
हुआ। उद्घाटन सत्र की  
नित अतिथि प्रोफेसर निकोल  
सदन न्यू हैम्पशायर  
सिंटी यूएसए ने विकास,  
गणन और स्थिरता के संदर्भ में

क्रियार्थियों एवं पं. की ओर से  
अतिथि एम्बेडर बुक (सार  
पुस्तक) का विमोचन भी किया  
गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य  
वक्ता प्रोफेसर मुकुल जी अग्र  
वर्णन युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर  
जरात सरकार के सलाहकार,  
डबल्यू टी. ओ, डबल्यू टी. ओ, आई  
एम, एफ ने एक अनिविचल दुनिया  
अमृतकाल के दौरान एक  
यापक आधारित विकास उत्पन्न

पहेली के अग्रणी हैं और उनसे  
केन्द्रीय होरिओका फाईन  
होरिया, पजल, केन्द्रीय  
होरिओका पहेली 43 साल बाद प  
मुख्य वक्ता के रूप में अपने  
व्याख्यान दिया। सत्र की अध्यक्षता  
प्रोफेसर एन. सी सिंह एम्पनआई  
जयपुर और प्रोफेसर अल्पन  
कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय  
जयपुर ने की। दोनों सत्र अत्यधिक  
संवादात्मक थे।

संज्ञा समाचारों पर नायक, अलं  
चूड़डा आईआईएम सिरमें  
घनश्याम पांडे एसआर  
विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, स्व  
आध्व स्तम्भकार एवं मानसि  
स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यक  
प्रोफ़ेसर एस.एन. अम्बेडक  
सुभासिभद्र, प्रमोद कांबले, कुम  
संभव पारीक, एस कंदसाग  
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय  
संज्ञक गर्ग ने सम्मेलन के तकनीक  
सत्रों की अध्यक्षता की।

सभापति ने किया निर्माण कार्यों का उद्घाटन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

मदनगंज-किशनगढ़. नगर परिषद के वार्ड संख्या-43 और वार्ड संख्या-5 में बुधवार को विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। संभाषित दिनेश सिंह राठौड़ ने वार्ड

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा  
शिविर 24 को

केकड़ी @ पत्रिका लायंस क्लब एवं डीडी नेत्र फाउंडेशन कोटा संयुक्त तत्वाधान में 23 अप्रैल को निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर यह जयपुर रोड स्थित लायंस भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रोजेक्ट चेयरमैन एस.एन. न्याती ने बताया



**Thank You**

**With Warm Regards**

**Dr. Hemlata Manglani**  
**Convener ICECO\_GRS'23**

**Dr. Suresh Kumar Patra**  
**Organizing Secretary ICECO\_GRS'23**